ईश्वर सिंह को बनाया लोकजनशक्ति पार्टी का जिला अध्यक्ष

करनाल-लोकजनशक्ति पार्टी ने हरियाणा में अपनी पैठ मजबूत करने की तैयारी कर ली है। इसी के लिये पार्टी ने वरिष्ठ नेता ईश्वर सिंह को जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार ने आज उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। उनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। कार्यकर्ताओं ने उन्हें जिम्मेदारी दिए जाने पर खुशी का इजहार करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस और प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार का हार्दिक आभार जताया है। ईश्वर सिंह ने भी अपनी नियुक्ति पर पार्टी अध्यक्ष का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे वे पूरी लगन व निष्ठा से निभाएंगे और आम जनता की आवाज को ऊपर तक उठाएंगे। इस अवसर पर लोकजनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार, अनूप सिंह भोला , सुरेश कुमार , पवन कुमार , राजेन्द्र सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

भाजपा-जजपा सरकार किसानों का खून बहा रही है

करनाल (म.मो.) कांग्रेस प्रवक्ता सुरजेवाला ने अपने एक बयान में कहा कि आज भाजपा-जजपा की 'कायर सरकार' ने करनाल में अन्नदाता किसान पर बेरहमी और बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज कर एक बार फिर ''जनरल डायर'' की याद दिला दी। शांतिप्रिय तरीके से विरोध कर रहे किसानों को जानवरों की तरह दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। दर्जनों लहुलुहान हो गए और सैकड़ों को चोटें आईं। एक बार फिर यह साबित हो गया कि अन्नदाता किसान के असली 'दुश-मन' हैं - दुष्यंत चौटाला और मनोहर लाल खट्टर। भाजपा-जजपा सरकार ने मिलकर पिछले नौ महीनों से किसानों के हिस्से में लाठीचार्ज, पानी की बौछारें, आंसू गैस के गोले तथा कीलें व नश्तरों की प्रताड़ना लिख दी है।

25 नवंबर, 2020 से आज तक किसान-मजदूर के सीने पर मोदी व खट्टर सरकारों ने लगातार वार किया है और खून बहाया है। 25 नवंबर को जब किसानों ने गांधीवादी तरीके से दिल्ली की ओर कूच किया, तो अंबाला, सिरसा, पलवल और राजस्थान बॉर्डर से जगह-जगह सड़कें खोद, ठंडे पानी की बौछारें मार, अश्रुगैस के गोले चला तथा किसानों के सर पर लाठियां मार उनका रास्ता रोका गया। पिछले नौ महीने में अंबाला, कालका, पीपली, करनाल, जींद, पलवल, रेवाड़ी, रोहतक, हिसार, सिरसा और प्रदेश के हर कोने में भाजपा-जजपा सरकार ने किसानों की आवाज को कुचलने के लिए पुलिस से लाठियां बरसवाईं, पर न आवाज़ दबी, न सिर झुके और न संकल्प टूटा। एक बात साफ है - 'धरती के भगवान' किसान पर ऐसी बर्बरता एक दानव रूपी सरकार ही कर सकती है। देश और हरियाणा की सत्ता अब दानवों के हाथ में आ गई है, जो भाग्यविधाता अन्नदाता किसान की आत्मा और शरीर को लहुलुहान कर रहे हैं। करनाल में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सार्वजनिक वीडियो से यह साफ है कि मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से किसानों के सिरों पर लाठियां बरसाकर कातिलाना हमला करने का आदेश दिया था।

वो किसान, जो खेत को खून पसीने से सींचकर देश की भूख मिटाता है, उसे बेरहमी और बर्बरता से पीट-पीट कर खून से नहला दिया गया है। कारण - तीन काले कानूनों के माध्यम से भाजपा-जजपा खेती को चंद पूंजीपतियों की दासी बनाना चाहती है और किसान की अगली फसल और अगली नस्ल को उन पूंजीपतियों का गुलाम। पर किसान को न कभी सत्ता और जुल्म झुका पाए हैं, और न कभी किसानों के भविष्य को रौंदकर भाजपा-जजपा यह कर पाएगी।

याद रहे कि मोदी-खट्टर सरकारों पर क्रूरताओं और बर्बरताओं का मुकदमा चलेगा। किसानों की राह में बिछाए गए कील और कांटे - उनकी शहादतें'' व नौ महीने से सड़कों पर पड़े किसान की वेदनाएं इसकी गवाह बनेंगी और प्रजातंत्र के देवता का फैसला एक नज़ीर बनेगा ताकि भविष्य के भारत में फिर कभी कोई तानाशाह अन्नदाता के खिलाफ ऐसा दुस्साहस न कर पाए।

मनोहर लाल खट्टर - दुष्यंत चौटाला ने आज किसान नहीं, हमारे 'भगवान' को पीटा है..... सज़ा मिलेगी। सड़कों पर बहते और किसानों के शरीर से रिसते खून को आने वाली तमाम नस्लें याद रखेंगी। अब भी समय है - या किसान के साथ खड़े हो जाईये या गद्दी छोड़ दीजिए।

मासिक निरीक्षण के लिए जिला कारागार का औचक निरीक्षण

करनाल। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-एवं-सचिव जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण करनाल सुश्री जसबीर ने मासिक निरीक्षण के लिए जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक अमित भादुए अशोक काम्बोज उपाधीक्षक उपस्थित थे।

सीजेएम ने विचाराधीन महिला कैदियों/कैदियों का व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से साक्षात्कार लिया तथा जेल प्रशासन से भी पूछताछ की। उन्होंने विचाराधीन महिला कैदियों/कैदियों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली जिसके संबंध में कोई मौखिक शिकायत नहीं थी। कैदियों को उनके अधिकारों के बारे में अवगत कराया गया और उनको बताया गया कि यदि उनके पास अपने केस को डिफेन्ड करने के लिए वकील नहीं है तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मुप्त वकील ले सकते हैं ताकि वे न्यायालय में उनके केस की पैरवी कर सकें। इसके अलावा जेल परिसर का भी निरीक्षण किया गया जो साफ सुथरा पाया गया ।

कुछ विचाराधीन महिला कैदियों/कैदियों ने बताया कि परिवार के सदस्यों के साथ साक्षात्कार की अनुमति दी जानी चाहिए। इस संबंध में यह सुझाव दिया गया कि करनाल जिले की जिला स्तरीय निगरानी समिति की आगामी बैठक में इस मामले को उठाया जा सकता है। अधीक्षक जिला कारागार, करनाल अमित भादु ने बताया कि आज की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल एवं स्वास्थ्य विभाग करनाल के सहयोग से 18 वर्ष अधिक आयु के सभी पात्र कैदियों/वचाराधीन कैदियों को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक का टीका लगाया गया है।

सियासी दलों की उपेक्षा के कारण काम्बोज बिरादरी राजनैतिक हाशिये पर

काम्बोज बिरादरी के लोगों में उपेक्षा के खिलाफ एकजुटता की सुगबुगाहट

करनाल (जेके शर्मा) काम्बोज बिरादरी हरियाणा में 2 लोकसभा क्षेत्रों और 13 विधानसभा क्षेत्रों में वोट की ताकत रखने के बाद भी राजनैतिक दलों की उपेक्षा की शिकार हो रही है। इस उपेक्षा के कारण काम्बोज बिरादरी राजनीति तौर पर विकसित नहीं हो पा रही है। उपेक्षा के पीछे काम्बोज बिरादरी की एकजुटता की कमी को दूर करने के प्रयास तेज हो गएं हैं। हरियाणा में जात पात की राजनीति काफी हॉवी रही है। इसी के चलते हरियाणा में जाट बिरादरी के लोगों का सत्ता पर अधिकार कब्जा रहा है। सत्ता जिस बिरादरी के हाथ में आई भाई-भतीजावाद व बिरादरी के लोगों का पक्ष लेने के कारण उस बिरादरी के लोगों को ज्यादा अधिमान मिलता रहा है। प्रदेश के इस राजनैतिक परिदृष्य के चलते जाट बिरादरी के लोगों का हरियाणा की सत्ता पर अधिकतर समय कब्जा रहा है। सबको जनसंख्या के हिसाब से हक व मान-सम्मान देने के सियासी दलों के नेताओं के दावों को लोग केवल कागजी मान रहे हैं। लोगों को मानना है कि सत्ता के मुखिया पद पर जिस बिरादरी के नेता का कब्जा हो जाता है, उस बिरादरी के लोगों के दबदबे का असर दिखाई देने लगता है। हरियाणा में जाट बिरादरी के लोगों के पास प्रदेश की सत्ता के मुखिया की चाबी अधिकतर बार रहने के कारण दूसरी बिरादरी के लोगों के मन में पनपी कुनठा साफ दिखाई दी। जाट आरक्षण आंदोलन के बाद तो प्रदेश में हालात ही बदल गए। प्रदेश में जाट बनाम 35 बिरादरी का राग भी अलापा गया। जाट आंदोलन के कारण उपजे हालातों को लेकर अपने आपको पिछड़े समाज का हितैषी कहलाने वाले पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने आंकड़ों का हवाला देकर पिछड़े समाज के लोगों को एकजुट करने की ताकत लगाई। राजकुमार सैनी द्वारा जिस तरह से जाट बिरादरी के लोगों द्वारा दूसरी बिरादरी के लोगों के हक हड़पने का आंकड़ों के जरिये हवाला दिया तो उनका भी तगड़ा विरोध किया गया। राजकुमार सैनी का कहना है कि जो समाज अपने हकों के लिए एकजुटता का प्रमाण नहीं दे सकता, उसके हक डकारने वाले बेखौफ अपने काम में लगे रहते हैं। लेकिन ऐसे हालात बन गए है कि जो अपने हकों की पैरवाई करने की आवाज उठाते है, उनकी ही बात सुनी जाती है। काम्बोज बिरादरी के लोगों पर यह बेहद सही उतरती है। अपने हकों की आवाज उठाकर एकजुटता दिखाने में काम्बोज बिरादरी पीछे रह रही है।

हरियाणा में काम्बोज बिरादरी का प्रभाव करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, कैथल, सिरसा, फतेहाबाद जिलों में है। इसके अलावा प्रदेशभर के अन्य जिलों में भी काम्बोज बिरादरी के लोग बिखरे हुए है। करनाल जिले की इन्द्री, कुरुक्षेत्र जिले की शाहबाद, यमुनानगर जिले की रादौर, सिरसा जिले की रानियां और सिरसा विधानसभा सीटें काम्बोज बिरादरी बहुल्य मानी जाती है। इसके अलावा फतेहाबाद की रतिया, भूना व टोहाना तथा सिरसा के डबवाली व ऐलानाबाद, यमुनानगर जिले में यमुनानगर और जगाधरी, कैथल में गुहला चीका और कुरुक्षेत्र के पेहवा में काम्बोज बिरादरी के वोटरों का असर है। हरियाणा में इन्द्री, यमुनानगर, जगाधरी, सिरसा, रानियां और टोहाना से काम्बोज बिरादरी के विधायक रह चुके हैं। प्रदेश में 13 विधानसभा सीटों और लोकसभा की दो सीटों पर काम्बोज बिरादरी के वोटरों का प्रभाव होने के बावजूद भी इस बिरादरी से इस बार कोई विधायक विधानसभा में नहीं पहुंच पाया। विधानसभा में अपने हकों की आवाज बनने की लालसा इस बार काम्बोज सामाज को मायूस कर रही है। लोगों को चाव होता है कि लोकतांत्रिक व्यावस्था में उनके हकों की आवाज भी उठे तथा उन्हें प्रतिनिधित्व भी मिले। काम्बोज बिरादरी के बुद्धिजीवियों में गिने जाने वाले राजनीति के विद्वान डॉ.रामजी लाल और कई अहम पदों पर रह चुके जेपी काम्बोज ने कहा कि काम्बोज बिरादरी के लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से राजनैतिक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। लोकतांत्रिक प्रणाली में हकों की रक्षा और सुरक्षा के लिए जातिय प्रतिनिधित्व के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। यदि राजनैतिक दल जातिय प्रतिनिधित्व के महत्व को नंजरअंदाज करते है तो फिर उस समाज के लोगों के मन में उत्पन्न कुंठा का परिणाम अमुक दलों को हार के रूप में भुगतना पड़ता है।

काम्बोज बिरादरी के शुभकरण काम्बोज, अशोक काम्बोज, सुमेर काम्बोज, सुनील काम्बोज, मनीराम काम्बोज, प्रदीप कुमार, सचिन काम्बोज, महेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, पिंका काम्बोज, मानसिंह काम्बोज, जयप्रकाश, सुभाष, सतनाम सिंह, लखविन्द्र सिंह, हरनाम सिंह, राजेन्द्र और पृथ्वीराज काम्बोज ने कहा कि हरियाणा में सियासी दलों द्वारा काम्बोज बिरादरी की उपेक्षा के चलते विधानसभा में काम्बोज बिरदारी का प्रतिनिधित्व कम हो रहा है। इस बार तों हरियाणा विधानसभा में काम्बोज बिरादरी का कोई भी प्रतिनिधि नहीं पहुंच पाया है। काम्बोज बहुल्य विधानसभा सीटों पर भी काम्बोज को टिकट न देने से काम्बोज बिरादरी में सियासी दलों की इस सोच के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है। बिरादरी के लोगों में विधानसभा की कम से कम 10 और लोकसभा की दो सीटों पर टिकटें देने की मांग उठा रहे हैं। जो सियासी दल इस मांग को पूरा न करे उसके विरोध में खड़े होने की रणनीति पर चर्चा चल रही है। इन लोगों ने कहा कि यदि सियासी दलों के संचालकों ने काम्बोज बिरदारी की उपेक्षा बंद नहीं की तो काम्बोज बिरादरी को एकजुट होकर अपने हकों को पाने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। प्रदेश की राजनीति स्थिति को देखते हुए सियासी दलों के संचालकों पर दबाव बनाने के लिए काम्बोज बिरादरी के लोगों को एकजुट करने की मुहिम शुरू हो रही है। इस उपेक्षा को रोकने के लिए बिरादरी के प्रमुख लोगों से सम्पर्क किया जा रहा है।

अधिकारी सहित पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने की मांग

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बसताड़ा टोल प्लाजा पर किसानों के सिरों में लाठी मारने का आदेश देने वाले अधिकारी एसडीएम आयुष सिन्हा तथा लाठीचार्ज के दोषी पुलिसकर्मियों की शिकायत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से की है। अधिकारी सहित पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने की मांग की गई है। यह प्रतिनिधिमंडल हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी विवेक बंसल एवं प्रदेश अध्यक्षा कुमारी सैलजा के नेतृत्व में पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र राठौर, पूर्व मंत्री किरण चौधरी, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव, राष्ट्रीय सचिव आशीष दुआ, राज्यसभा सांसद दीपेंदर हुड्डा व प्रदेश महासचिव डा. अजय चौधरी शामिल रहे। वीरेंद्र राठौर ने कहा कि बसताड़ा टोल प्लाजा पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया। एसडीएम के तालिबानी आदेश पर पुलिस ने अन्नदाताओं पर हमला बोला। यह सब शासन व प्रशासन के इशारे पर हुआ।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के अधिकारों का हनन करने का काम कर रही है। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। सरकार लोकतंत्र का गला घोंटना चाहती है। किसानों की आवाज को लाठी से दबाने का प्रयास कर रही है। हरियाणा कांग्रेस ने मांग की है कि एसडीएम सहित अन्य दोषी पुलिसकर्मियों पर धारा 107, 108, 109, 147, 148, 307, 325, 341, 342 व 120-बी के तहत केस दर्ज किया जाए।

सरकार किसानों को उग्र होने के लिए उकसा रही है: किसान नेता

इन्द्री (जेके शर्मा) किसान नेताओं ने आज इन्द्री हल्के के दर्जनों से अधिक गांवों का दौरा कर किसानों से 5 सितम्बर को मुजफ्फरनगर और 7 सितम्बर को करनाल में भारी संख्या में पहुंचने की अपील की। किसान नेताओं का जगह-जगह लोगों ने जोरदार स्वागत किया और लोगों ने किसान आंदोलन में किसान नेताओं के आहवान पर हर कार्यक्रम में भाग लेने का भरोसा दिलाया। गांव खेड़ी मानसिंह में पहुंचे किसान नेताओं ने सरकार की नीतियों एवं सोच को किसानों की सबसे बड़ी दुश्मन बताया। भाकियू के नेता जगदीप ओलख और भाकियू के इन्द्री हल्के के प्रधान मनजीत सिंह ने अपने साथियों के साथ गत शनिवार को बसताड़ा टोल पर पुलिस लाठीचार्ज करने और सरकार की किसानों के प्रति सोच का परत दर परत खुलासा किया। इन किसान नेताओं ने पुलिस लाठीचार्ज की दर्द भरी कहानी लोगों को सुनाई तो किसान पंचायत में मौजूद किसानों का खून खौल गया।

इस दौरान जोरदार नारेबाजी कर लोगों ने सरकार के हर जुल्म का मुकाबला करने का यकीन दिलाया। किसान नेताओं ने जोर देकर कहा कि 5 सितम्बर की मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत और फिर 7 सितम्बर को करनाल अनाज मण्डी में होने वाली किसान पंचायत में भारी संख्या में पहुंचें। इस मौके पर किसान नेताओं ने कहा कि खट्टर सरकार ने किसानों पर लाठीचार्ज करने का पहले से प्लान बना रखा था, जिस का खुलासा करनाल के तत्कालीन एसडीएम आयुश सिंहा के वीडियो से हो गया।